Indie

INTERTRANSPORT

PRAGUE

Prime Minister GOI New Delhi

ON BEHALF 16 MILLION MEMBERS WORLD OVER URGE UPON YOU TOCONCEDE RAILWAYMEN DEMANDS WE CONSIDER JUST AND REASONABLE TO STOP REPRESSIVE MEASURES AND RELEASE ALL ARRESTED LEADERS

SECRETARIAT TRADE UNIONS
INTERNATIONAL TRANSPORT WORKERS

India

[illegible]TRANSPORT
PRAGUE

RAILWAYMEN NEW DELHI

TUI CABLED PRIME MINISTER URGING TO CONCEDE RAILWAYMEN DEMANDS LETTER FOLLOWS

GANGULI

GRAM: RAILWAYMEN PHONE: 40947

NATIONAL CO-ORDINATION COMMITTEE FOR RAILWAYMEN'S STRUGGLE

125-E, Babar Road,
New Delhi.

April 15, 1974

Appeal to All Unions of railwaymen:

In view of the decision taken by the National Co-ordination Committee for Railwaymen's Struggle to launch an indefinite general strike of all railwaymen on their 6 point charter of demands from May 8, 1974, the meeting appeals to all organisations of railwaymen to suspend their sectional agitations already launched or proposed to be launched, and concentrate all their energies and efforts to making the general strike a resounding success.

NATIONAL CO-ORDINATION COMMITTEE FOR RAILWAYMEN'S STRUGGLE

CALLS UPON RAILWAYMEN

TO GO ON AN

INDEFINITE GENERAL STRIKE

FROM 6 HOURS ON MAY 8, 1974

IN SUPPORT OF

THE 6-POINT CHARTER OF DEMANDS

1. Job Evaluation
2. Parity with Public Sector in Wages, D.A., Bonus.
3. 8-Hour Working Day
4. Confirmation of Casual Labour
5. Bonus
6. End Victimisation

Issued by _____

(Union/Association's Name to be printed here).

GRAM: RAILWAYMEN PHONE: 40947

NATIONAL CO-ORDINATION COMMITTEE FOR RAILWAYMEN'S STRUGGLE

125-E, Babar Road,
New Delhi.

April 15, 1974

Appeal to All Unions of railwaymen.

In view of the decision taken by the National Co-ordination Committee for Railwaymen's Struggle to launch an indefinite general strike of all railwaymen on their 6 point charter of demands from May 8, 1974, the meeting appeals to all organisations of railwaymen to suspend their sectional agitations already launched or proposed to be launched, and concentrate all their energies and efforts to making the general strike a resounding success.

साथ ही आज रेल मंत्रालय व केन्द्रीय सरकार तरह-तरह के गलत प्रचार द्वारा श्रमिकों के खिलाफ एक योजनाबद्ध मोर्चा तैयार करके आम जन साधारण को श्रमिकों एवं उनकी न्यायोचित मांगों का विरोध करने के लिए बहका रही है। रेल मंत्रालय के सारे साधन आज इस प्रकार के प्रचार में लगे हुए हैं जैसा कि आप खुदने कई छोटी-मोटी पुस्तिकायें एवं पर्चे देखे होंगे। ऐसी विषम परिस्तथि में मौजूदा सच्चाई आम जन साधारण को बताये बिना सघर्ष पर उतर पड़ना न्यायोचित नहीं होगा।। यही कारण है कि आज के कुछ ज्वलंत प्रश्नों का सही चित्रण पेश करने की कुछ कोशिश की जा रही है ताकि आप व जन साधारण स्वयं यह फैसला कर सके कि सच्चाई क्या है और ऐसे आंदोलनों के लिए दोषी कौन है ?

प्रश्न १:— क्या लोको रनिंग स्टाफ की सब मांगें पूरी कर दी गई है ?

उत्तर १:—नहीं, नहीं, नहीं ! लोको रनिंग स्टाफ १९६८ से लगातार अपनी मांगें जिनमें मुख्यतया (१)आठ घन्टे की नौकरी व उसके बाद रोजाना के हिसाब से ओवर टाईम (२) समान कार्य समान वेतन (३) न्यूनतम आवश्यकता एव सही कार्य दक्षता पर आधारित वेतनमान (४) माइलेज रूल्स में सही रद्दोबदल (५) मेडिकली डिकेटेसराइज्ड स्टाफ को सही वेतनमान एवं नौकरी की गारटी (६) प्रशासन के साथ बातचीत का द्वार खोलना (७) सारी सतायें जानेवाली सजायें एव डी. आई. आर. ऐक्शनों की समाप्ति के लिए समय-समय पर संवैधानिक रास्ते अपनाते हुए संघर्ष कर रहा है। १३ अगस्त १९७३ को सरकार से लिखित समझौता होने के बावजूद आज भी स्थिती ज्यों की त्यों बनी हुई है।

सरकार के अनुरोध पर तीन वर्ष के लिए एसोशिएशन ने राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर दस घन्टे की नौकरी मंजूर की ओर सरकारने घोषणा की कि ६ सप्ताह के अंदर-अंदर समस्त मांगों को पूरी करते हुए दस घन्टे की नौकरी लागू कर दी जायेगी। आज करीब ९ महीने पूरे होने आ गये हैं परन्तु स्थिती इस प्रकार है।

ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन पश्चिम रेलवे

(रजिस्टर्ड नंबर ३८ । एन. ए. टी.) रतलाम दि० २१-३-७४

स्वार्थी तत्वों के भ्रामक प्रचार का पर्दाफाश !

सही प्रोग्राम पर अमल करने की अपील !

बहादुर कामगार साथियों !

एक लम्बे समय बाद भारतीय रेल्वे के ट्रेड यूनियन आंदोलन को सही मोड़ देने के प्रयत्नों में पूर्ण सहयोग देने के लिए आप सब धन्यवाद के पात्र हैं। बनारस का अद्वितीय वार्षिक सम्मेलन आपकी जागरुकता एवं आपकी संस्था के प्रति कर्त्तव्य परायणता का सच्चा सबूत है साथ ही इस बात का सबूत भी आपने पेश किया है कि आप पूरे श्रमिक वर्ग के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने की अपनी जिम्मेदारियाँ निभाने के लिए हमेशा निस्वार्थ तैयार हैं। आज की इस गम्भीर परिस्थिति में भी कुछ निजी स्वार्थी तत्त्व उनकी स्वार्थ सिद्धि को ही प्राथमिकता देकर आप में व अन्य श्रमिकों में तरह-तरह का भ्रम पैदा करने की असफल कुचेष्ठा कर रहे हैं। ऐसे तत्वों को बेनकाब करके अपनी एवं अन्य श्रमिकों की आवश्यक मांगों को प्राप्त करने का सही रास्ता खोज निकालना आपका एवं प्रत्येक श्रमिक का परम कर्तव्य बन गया।

(१) दस घन्टे की नौकरी लागू करना:–जिन गाड़ियों पर पहले से ही दस घन्टे की नौकरी लागू थी उनको लिंक बदल कर या हेड क्वार्टर बदल कर हर तरह से सताया जा रहा है, मालगाड़ियों पर जहां ८ घन्टे में स्टाफ बदला जा सकता है वहां उन्हें १४ घन्टे कार्य करने के लिए दबाया जा रहा है और जो रिलीफ मांगते हैं उन्हें सस्पेन्ड किया जाता है। जहां ड्राईवर गाड़ियां चलाते थे वहाँ शंटरों से गाड़ियां चलवा कर पद समाप्त किए जा रहे हैं। फैसला होने के बावजूद १० घन्टे में रिलीफ मांगने पर गाड़ियां छोड़कर चले जाने का झूठा इल्जाम लगाकर जनता को गुमराह किया जा रहा है।

(२) अन्य मांगें:-एसोसिएशन ने अपनी मांगें व मांगों के समर्थन का मांग-पत्र पेश किया। रेल्वे प्रशासन टालमटोल की नीति अपनाकर अभीतक एक भी मांग पर बात करने के लिए तैयार नहीं हुआ है। कभी मान्यता प्राप्त संगठनों की मांग बताकर तो कभी ट्रिब्यूनल के विचाराधीन तो कभी पी. एन. एम. का बहाना बनाकर कुछ भी फैसला करने मे जानबूझ कर कतरा रहा है। पे. कमीशन की रिपोर्ट लागू कर दी गई है जब कि लोको रनिंग स्टाफ के वेतनमनों पर एसोशिएशन को कोई भी प्रकाश डालने का अधिकार नहीं दिया गया है जिसके परिणाम स्वरूप आज डीजल ऐसिस्टेन्ट, फायरमेन व शंटर को एक टी. ग्रेड मिला है। जब कि पद तरक्की का है। जहां लोको रनिंग स्टाफ को सब से अच्छे वेतनमान आजादी से पहले मिले हुए थे वहीं आज सबसे कम वेतनमान लोको रनिंग स्टाफ को आज दिए गए हैं।

(३) डी. आई. आर. एवं अन्य विभागीय कार्यवाहीयां:–अगस्त ७३ के फैसले के बावजूद आज भी ७१४ मुकद्द में डी. आई. आर. एवं ११५ मुकद्दमें अन्य कानूनों के तहत चल रहे हैं। जिनमें मई ७३ के ४१३ मुकद्दमें भी शामिल है। रेल प्रशासन इन मुकदद्मों को समाप्त करवाने में अपनी असमर्थता सिर्फ यह बहाना बनाकर कर रही है कि राज्य सरकारे उनकी बात नहीं मान रही हैं। क्या ऐसा संभव है?और अगर नहीं तो क्या यह फैसले की खुली अवहेलना नहीं है ? जहांतक विभागीय कार्यवाहियों का सवाल है पुरानी कार्यवाहियां तो करीब-करीब ज्यों कि त्यों बनी हुई है साथ ही साथ नये-नये हथकन्डे अपनाकर कार्यकर्ताओं को आये दिन सताया जा रहा है। पुराने वारन्ट लागू किए जा रहे हैं और स्टाइकर व नान स्टाइकर का खुला भेदभाव लागू किया जा रहा है।

प्रश्न २:—क्या रेल कर्मचारी एवं केन्द्रीय कर्मचारियों को सही वेतन एवं अन्य मांगें प्राप्त हैं ?

उत्तर २:—नहीं, नहीं, नहीं ! रेल कर्मचारियों एव केन्द्रीय कर्मचारियों के चतुर्थ एवं तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों को अन्य सरकारी एवं गेर सरकारी संस्थाओं की तुलना में सबसे कम वेतन मिल रहे हैं। तृतीय पे. कमीशन ने १९६ रुपये की राशी आवश्यकता पर आधारित न्यूनतम वेतन देकर बहुत बड़ा खुला अन्याय किया है तब किया है जब कि स्वयं सरकारी आंकड़ों से यह राशी३५०रुपये से भी उपर होती हैं। बोनस, व जीवन उपयोगी वस्तुओं की प्राप्ति आदि महत्वपूर्ण प्रश्नों पर सरकार की गहरी नींद कर्मचारियों पर खुला आक्रमण है। दिन प्रति-दिन मूल्य वृद्धि को रोकने में सरकारी असफलता आज कर्मचारियों पर बोझ बनती जा रही है। भूखे पेट बच्चों एव कर्ज के भार से दबे कर्मचारी आज भी राष्ट्र सेवा में संलग्न हैं परन्तु क्या सरकार ने इस दिशा में कोई उचित कदम उठाया है ? एक भंगी को ३४२ रुपये एवं ड्राईवर को १६०० रुपये देनेवाले रेल मंत्रीजी क्या यह आंकड़े प्रस्तुत कर सकते हैं कि कितने भंगियों एवं ड्राइवरों को यह वेतन प्राप्त है ? क्या रेल मत्रीजी स्वयं का वेतन व सरकारी खर्चा जनता के समक्ष प्रस्तुत करने का साहस पैदा कर सकते हैं ? क्या रेल्वे बोर्ड के उच्च पदाधिकारियों को वेतन एवं सरकारी खर्च आम जनता के समक्ष उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के साथ प्रस्तुत करने का साहस रेल मत्रालय कर सकता है ?

प्रश्न ३:—रेल कर्मचारियों एवं केन्द्रीय कर्मचारियों के सही वेतन एवं अन्य मांगों की अप्राप्ति के लिए कौन दोषी है ?

उत्तर ३:—रेल कर्मचारियों एवं केन्द्रीय कर्मचारियों के सही वेतन एवं अन्य मांगों की अप्राप्ति के लिए वे तमाम मजदूर संगठन दोषी हैं जिन्होने राजनैतिक स्वार्थ सिद्धि के लिए समय-समय पर कर्मचारियों को गुमराह किया और उनके हकों पर कुठाराघात करते हुए अपने स्वयं के राजनैतिक हकों को प्राप्त किया।

प्रश्न ४:—क्या मान्यता प्राप्त संगठन आज भी रेल कर्मचारियों का सही प्रतिनिधित्व कर रहे हैं ?

उत्तर ४:—नहीं, नहीं, नहीं ! रेल्वे कर्मचारियों के दो मान्यता प्राप्त संगठन पिछले कई वर्षों से कर्मचारियों का विश्वास पूरी तरह खो बैठे हैं जिसका पक्का सबूत है श्रेणीगत सस्थाओं का जन्म व कर्मशारियों का श्रेणीगत संस्थाओं पर पूरी निष्ठा रखना। सन् १९७२ व १९७३ के दौरान कई सफल संघर्ष श्रेणीगत संस्थायें जीत चुकी है और मान्यता प्राप्त संगठन सिर्फ हड़ताल का नारा नोटिस व पोस्टर पर्चे ही बाँटती रही है और समय-समय पर नोटिस वापिस लेते हुए हड़तालों की तारीखें आगे बढ़ाती रही हैं और कर्मचारियों के धन का दुरुपयोग होता रहा है।

प्रश्न ५:—क्या किसी भी श्रमिक संगठन ने रेल्वे पर एक ही श्रमिक संगठन लाने का प्रयत्न किया है ?

उत्तर ५:—हाँ किया है। सर्फ श्रेणीगत मजदूर संगठनों ने जहा तहां हर प्रकार के आंदोलनों द्वारा इस मांग को रखा है परन्तु मान्यता प्राप्त सगठनों ने सरकार के साथ सांठ-गांठ करके इस मांग की प्राप्ति में रोड़े अटकाये हैं। सन १९७२ व १९७३ के दौरान इन दोनों मान्यता प्राप्त संगठनों ने कई सफल नाटकों द्वारा श्रमिकों एवं सरकार को गुमराह किया और १९७४ में तीसरे संगठन को जन्म देने में सरकार की मदद की। वहीं दूसरी ओर श्रेणीगत संस्थाओं ने लम्बी भूख हड़तालें इस माँग की प्राप्ति के लिए की है। आज भी सरकार ईमानदारी से रेल्वे पर एक ही श्रमिक संगठन ला सकती है बशर्ते कि दोनों मान्यता प्राप्त संगठनों की मान्यता को तत्काल रद्द करके निष्पक्ष चुनाव कराव करवादे और चुनाव में सिर्फ श्रमिकों को ही चुनाव लड़ने व वोट देने का अधिकार प्रदान करे।

प्रश्न ६:—क्या लोको रनिंग स्टाफ एसोशिएशन रेल मंत्रालय की टालमटोल की नीति को बर्दाश्त करता रहेगा ?

उत्तर ६:—नहीं, नहीं, नहीं ! लोको रनिंग स्टाफ एसोशिएशन अपने कर्मचारियों की माँगों के प्रति सजग है और किसी भी कीमत पर रेल्वे बोर्ड व रेल मंत्रालय की इस प्रकार की टालमटोल की निती को बर्दाश्त नहीं कर सकेगा। यही कारण है कि रेल्वे बोर्ड की ईमानदारी की लम्बी अवधि तक प्रतीक्षा करने के बाद बमारस के अखिल भारतीय सम्मेलन में सर्व सम्मति से यह फैसला लिया है कि अगर सरकार ने सारी दमनात्मक कार्यवाहियां रोकते हुए आठ अप्रेल १९७४ तक १० घन्टे की नौकरी सारी गाड़ियों पर समस्त कर्मचारियों के लिए लागू करते हुए उनकी तमाम मांगें ना मानी तो किसी भी समय सीधी कार्यवाही शुरू की जा सकती है। १५ सप्रेल १९७४ से समस्त रेलों पर लोको रनिंग स्टाफ "नियमानुसार" कार्य करेगा और साथ ही साथ १० घन्टे से ज्यादा कार्य नहीं करेगा। आठ घन्टे की नौकरी पर सूचना दी जायगी कि १० घन्टे की नौकरी होने पर रिलीफ का इन्तजाम किया जाय अन्यथा गाड़ी को तब तक खड़ी रखी जायगी जबतक कि रिलीफ नहीं दे दिया जायगा।

प्रश्न ७:—क्या लोको रनिंग स्टाफ एसोशिएशन सिर्फ खुद गर्ज ही है ? या अन्य रेल कर्मचारियों एवं केन्द्रीय कर्मचारियों की मांगों क प्रति भी वफादार हैं ?

उत्तर ७:—लोको रनिंग स्टाफ समस्त श्रमिकों की न्यायोचित मांगों के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने के लिए हमेशा तंयार रहा है और रहेगा।

एसोसिएशन द्वारा समय-समय पर लिए गए फैसले इस बात के साक्षी हैं ! यहांतक कि मान्यता प्राप्त ऑल इन्डिया रेल्वे मैन फेडरेशन द्वारा बुलाई गई मीटिंग में भी अपने प्रतिनिधि भेजकर उन्हें आगाह किया कि आज की विषम परिस्थिति में आम कर्मचारियों की आम मांगों को प्राप्त करने के लिए एक ऐसा वातावरण पैदा किया जाय जिसमें समस्त केन्द्रीय कर्मचारी व उनके संगठन सारे भेद-भाव भुलाकर व अपनी महत्ता को भूलकर एक मंच पर एकत्रित हो सकें। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि आल इन्डिया रेल्वे मैन फेडरेशन अपनी तुच्छ महत्ता को प्रतिष्ठा

का प्रश्न बनाकर चुप-चाप नेशनल कन्वेंशन जिसमें सिर्फ रेल्वे के संगठनों को जल्दी-जल्दी में बुलाकर स्वयं जार्ज फरनांडिज साहब कन्वेनर का पद प्राप्त करके बैठ जाएऔर साथ ही साथ हड़ताल का नोटिस भी दे दिया। यही नहीं इनसे सम्बन्धित यूनियनों को तरह तरह की अनर्गल बातें करने की खुली छूट देकर मजदूरों में द्वेष भावना पैदा करना शुरू कर दिया है। यह सुनकर बड़ा ताज्जुब होता है कि उनसे सम्बन्धित यूनियनें आज खुला प्रचार कर रही है कि सारे एसोशिएशन उनके फैडरेशन में सम्मिलित हो गए हैं। अलग-अलग स्ट्रगल फन्ड इकठ्ठा करने एवं कन्वेनर का पद रखकर एवम् केन्द्रीय कर्मचारियों को ऐसे सम्मेलन से अलग रखकर क्या समस्त श्रमिकों में ऐसा विश्वास एवम् आस्था पैदा की जा सकती है जिसमें कि एक जूट होकर आनेवाले संघर्ष को लड़ा जा सके ?

अगर ऑल इन्डिया रेल्वे मैन फैडरेशन अभी भी ईमानदारी के साथ लोको रनिंग स्टाफ एसोशिएशन के सुझावों को मानने को तैयार हैं तो उसे फिर से एकबार समस्त केन्द्रीय एवम् रेल कर्मचारियों के संगठनों व कार्यकर्ताओं का एक नेशनल कन्वेंशन बुलाना चाहिए और उसमें समान अधिकार प्राप्त समान प्रतिनिधित्व देते हुए एक कमेटी का निर्माण करना चाहिए।

प्रश्न ८:—क्या ऑल इन्डिया रेल्वे मैन फैडरेशन द्वारा सही कदम न उठाने की दिशा में आल इन्डि लोको रनिंग स्टाफ एसोशिएशन ऐसा सम्मेलन बुलाने की पहल करेगा ?

उत्तर—हाँ. अवश्य करेगा ! एसोशिएशन इस प्रश्न की गम्भीरता पर पूरी तरह विचार अपने बनारस के अधिवेशन में कर चुका है और यह फैसला ले चुका है कि समस्त केन्द्रीय एवम् रेल कर्मचारियों को एक मंच पर इकट्ठे होकर संघर्ष में अपना पूर्ण योगदान देने के लिये एसोशिएशन हमेंशा तैयार रहेगा यही नहीं एसोसिएशन ने अपने दो प्रतिनिधि इस प्रकार की सभावनाओं पर विचार विमर्श करने के लिए नियुक्त भी कर दिये है। ये प्रतिनिधी हैं श्री एस. के धर एवम् श्री एच. एस. चौधरी। एसोसिएशन की तरफ से समस्त केन्द्रीय एवम् रेल कर्मचारियों एवम् श्रमिक संगठनों से करबद्ध प्रार्थना की जाती है कि इस प्रश्न पर गंभीरता पूर्वक विचार करके ऐसे स्वतंत्र मंच का निर्माण करने में पूर्ण सहयोग दें।

उपरोक्त कुछ महत्वपुर्ण प्रश्नों एवं सुझाओं से हर कर्मचारी एवं जनता एवं जन प्रतिनिधियों को इस बात का थोड़ा बहुत खुलासा अवश्य मिल सकेगा कि आज रेल कर्मचारियों एवं केन्द्रीय कर्मचारियों के साथ कैसा सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। इस बात की आशा की जाती है कि तमाम श्रमिक इन महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरता से विचार करेंगे और एक जूट होकर लम्बे अर्से से ठुकराई जा रही जायज मांगों की प्राप्ति के लिये ईमानदारी व एकता का परिचय देंगे। समस्त नागरिक बन्धुओं एवं उनके संगठनों एवं प्रतिनिधियों से अपील की जाती है कि सच्चाई के इस संघर्ष में अपना पूर्ण योगदान देने का कष्ट उठायेंगे।

श्रमिक एकता जिन्दाबाद ! श्रमिक श्रमिक भाई भाई !

ऑल इन्डिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन जिन्दाबाद !

आपके सेवक

वाई. डी. शर्मा
जोनल प्रेसिडेन्ट एवं
समस्त कार्यकारिणी सदस्य

हरिसिंह चौधरी
महामंत्री (प. रेल्वे)

छाजेड़ प्रिन्टरी, रतलाम

राष्ट्रीय रेल्वे मजदूर संघर्ष समन्वय समीती

सर्व एम. टी. पी. कर्मचारीयोसे अपील कि जाती है कि नीचे दिये हुये कार्यक्रम मे सहयोग दे ताकि आगामी संघर्ष के लिये सर्व रेल्वे कर्मचारी संघर्षशील रहेंगें।

कार्यक्रम

दिनांक :- 29-3-७४...	लंच टाईम मे [illegible] रेल्वे कालोनी मे [illegible]
दिनांक :- 30-3-७४..	लंच टाईम में कोंग्रासकी[illegible] रेल्वे कालोनी में [illegible]
दिनांक :- 2-४-७४..	सुबह ८ बजेसे लेकर शाम 5-30 तक "धरना" का कार्यक्रम। धरना के लिये [illegible] बिल्डींग के सामने प्रवेशद्वारमे एम. टी. पी. एम्प्लाईज युनीयन के पदाधिकारी और एम. टी. पी. [illegible] संघके पदाधिकारी और अन्य क्रियाशील कार्यकर्ता बैठेगें। 9-से 9-30 तक गेट मीटींग रहेगी और इस गेट मीटींग में प्रमुख ट्रेड युनीयन नेताओंका भाषण होगा। शाम को 5-30 बजे सर्व एम. टी. पी. कर्मचारी जुलुस के साथ मध्य रेल्वे महाप्रबंधक के कार्यालय पर आयोजीत किये हुये "धरना" मे सामिल हो जायेंगें।
दिनांक :- 3-४-७४..	लंच टाईम मे कोलीवाडा रेल्वे कालोनी मे [illegible]
दिनांक :- ४-४-७४...	लंच टाईम मे सैंडहर्स्ट रोड रेल्वे कालोनी मे [illegible]
दिनांक :- ५-४-७४---	" " " वडाला और [illegible] कालोनी मे मोर्चा एवं प्रदर्शन
दिनांक :- ६-४-७४...	शाम 5-30 को सबरबन ट्रेन मे [illegible] बंदर से लेकर मानखुर्द तक मोर्चा एवं प्रदर्शन।
दिनांक :- ७-४-७४...	सर्व कर्मचारी अपने अपने स्थानीय कार्यक्रम मे जो स्थानीय समीती द्वारा आयोजीत किये गये हो, भाग लेगें।
दिनांक :- ८-४-७४...	शाम 5-30 बजे "भव्य मेळावा" (Grand Rally) स्थान महाराष्ट्र विधानसभा का मैदान [illegible] रोड

भारतीय रेल मजदूर अेकता अमर रहे।

M.T.P.(Rlys) CO-ORDINATION COMMITTEE RAILWAYMEN'S

-: STRUGLE :-

Programme.

29-3-1974	Between lunch hours, demonstration.	King's Circle Station.
30-3-1974	Between lunch hours, demonstration Railway station.	Dock Yard colony.
2-4-1974	From 8.00 a.m. to 5.30 p.m. there will be 'DHARANA' in front of Mercantile House, ground floor. All working committee members of both the Unions i.e. MTP(Rlys) Employees Union Bombay and MTP(R) Karmachari Sangh Bombay. and many active workers shall participate in this 'Dharana'.	
-do-	Between 13-00 and 13-30 hrs. there will be gate meeting and distinguished Trade Union leaders shall address the meeting.	
-do-	After 17-30 hrs all MTP employees will proceed to VT to join 'Dharana' in front of Central Rlys S.M. office.	
3.4.1974	Lunch hour Demonstration at Kolwada Railway colony.	
4-4-1974	Lunch hour Demonstration at SandhustRoad Railway colony.	
5-4-1974	Lunch hour demonstration at Wadala Central Govt. colonies.	
6-4-1974	At 5-30 p.m. Train March from V.T. to Mankhurd and back upto Kurla.	
7-4-1974	All members will join rally ngar their residential area as per local programme.	
8-4-1974	At 5-00 p.m. MASS RALLY at Maharashtra High School Curry Road.	

ALL M.T.P. STAFF ARE REQUESTED TO UNITE AND MAKE THE ABOVE PROGRAMME A GRAND SUCCESS.

(A.T.Paratkar)
Genl.Secretary/MTP(R)
Karmachari Sangh Bombay.

(A.M.Shaikh)
General Secretary
MTP(R) Employees Union Bombay.